d. babu

एक मृतक चित्रकार

स. प. अरुण

रंग पुस्तक

An imprint of Kingdom of Smiles

दयाल बाबू चित्रकार थे। एक महान चित्रकार। इतने महान की मृत्यु तक उन्हें पेंटिंग करने से नहीं रोक सकी। उनका देहांत हुए १२ साल हो गए है लेकिन उनके पेंटिंग की एग्जीबिशन अब भी होती है। हर पेंटिंग के नीचे उन्हीं के हस्ताक्षर होते है। कहते हैं कि यह उनका भूत है जो अब भी चित्र बनाता है। उन मुसाफिरों कि जो उनके घर जाते हैं। हाँ मगर दयाल बाबू के देहांत के पहले और बाद कि बनाई चित्रों में काफी अंतर है। यह अंतर रंगों का है। और हो भी कैसे नहीं। १२ साल के मरे हुए चित्रकार के भूत को एक अंधेर कोठरी में अचानक देखकर किसी के भी चेहरे का रंग उड़ सकता है।

पाठकों से निवेदन हैं कि
वे दयाल बाबू के चित्रों में अपने मन चाहे रंग भरने से न हिचकिचाएं।

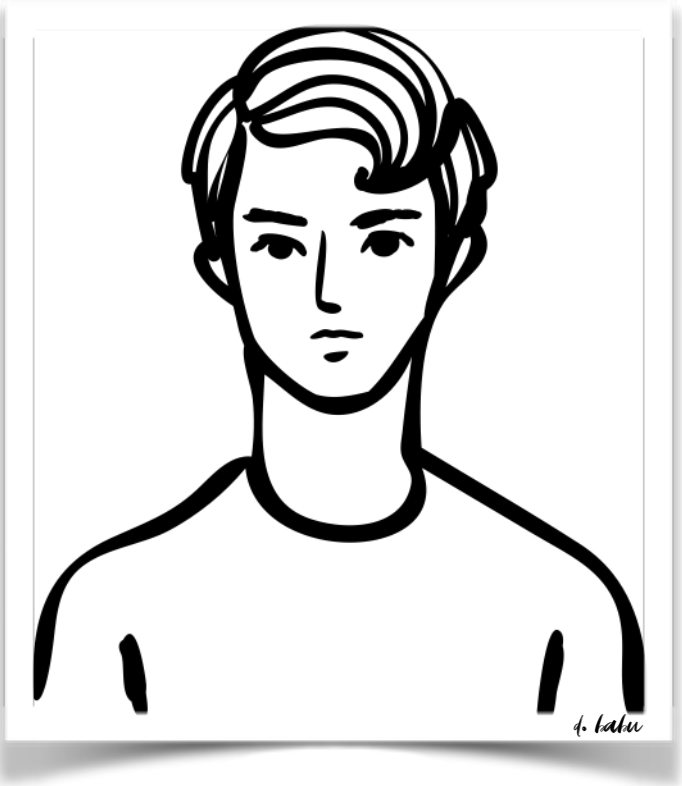

धन्यवाद।

www.thekingdomofsmiles.com